कोलियरीज कंपनी लि० द्वारा किया गया है। वास्तविक ड्रिलिंग कार्य अंशतः विभागीय रिगों के माध्यम से और अंशतः मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०, राज्य सरकारी एजेंसियों आदि को कार्यरत करके किया जा रहा है। एक बार गृहीत खानों का विकास निजी क्षेत्र द्वारा किए जाने की अनुमति दिए जाने पर पट्टेदार, पट्टे पर दिए गए क्षेत्र में अन्वेषण कार्य कर सकते हैं बशर्ते कि यह कार्य सांविधिक प्रावधानों के अन्तर्गत हो।

कोल इंडिया लिमिटेड की खानों के निकट कोयले के भंडार

3120. **श्री अजीत जोगी :**
श्री छोटूभाई पटेल :

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों से और आज की स्थिति के अनुसार कोल इंडिया लिमिटेड की खानों के निकट गैर कोकिंग कोयले का अनुमानतः कितना भंडार पड़ा हुआ है और उसका मूल्य कितना है ; और

(ख) इन भंडारों का किस प्रकार निपटान किए जाने का विचार है ?

कोयला मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री एस० बी० नयमेगौड़ा) : (क) दिनांक 30-6-92 की स्थिति के अनुसार और पिछले तीन वर्षों के दौरान कोल इंडिया लि० की खानों में अकोक्कर कोयले का कुल सूचित किया गया स्टाक नीचे दिया गया है :—

(अंतिम) (करोड़ रु० में)

निम्नलिखित दिनांक को स्थिति	मिलियन टन में भंडार	भंडार की कीमत*
30-6-92	26.14	341.71
31-3-92	30.31	975.98
31-3-91	26.56	661.34
31-3-90	26.28	704.17

*1990 और 1991 के लिए 249 रु० प्रति टन तथा 1962 के लिए 322 रु० प्रति टन की औसत कीमत मानते हुए।

(ख) इन पिटहैड स्टापों को समाप्त करने के लिए कोयला कंपनियों द्वारा निम्नलिखित उपाय किए जा रहे हैं :—

(1) रेलवे लोडिंग के लिए उपलब्ध कोयले को रेलवे लाइडिंग तक परिवहन करके वृद्धि की जा रही है, यहां तक कि रेलवे साइडिंग से 3 कि० मी० से अधिक की दूरी स्थित पिटहैडों के कोयले के स्टाक को भीर रेलवे साइडिंग तक लाया जा रहा है।

(2) गृहीत माध्यमों जैसे रोप-वे, वल्ट, और मेरी-गो-राउन्ड प्रणाली के माध्यम से प्रेषणों को बढ़ाया जा रहा है।

(3) चूंकि सड़क से जुड़ी कोलरियों में बड़ी मात्रा में स्टाक उपलब्ध है, अतः बड़े उपभोक्ताओं जैसे विद्युत उपयोगिताओं और सीमेंट इकाइयों को सलाह दी गई है कि ऐसे स्रोतों आदि पर उपलब्ध कोयले का सड़क द्वारा उठान कर लिया जाए।

(4) सभी उपभोक्ताओं को पिटहैडों से 20 मि० टन कोयला जारी किए जाने की एक योजना शुरू की गई है, जिसमें वास्तविक उपभोक्ताओं को, बिना किसी प्रायोजकता के, प्राथमिकता दी जा रही है।

कोयले की पूर्ति के लिए भुगतान के निबंधन और शर्तों में संशोधन

3121. **श्री अजीत जोगी :**
श्री छोटूभाई पटेल :

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार ने कोयला की उक्त खपत वाले उद्योगों को कोयले की पूर्ति के लिए भुगतान के निबन्धन और शर्तों में संशोधन किया है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या रेल वैगनों की कमी के कारण विविध प्रकार के कोयले के आवंटन और वास्तविक लदान के नीचे 15 दिन से 3 माह तक का अत्यधिक समय लग जाता है ;